Vol 7 Issue 2 Nov 2017

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Sanjeev Kumar Mishra

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA
UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF)
VOLUME - 7 | ISSUE - 2 | NOVEMBER - 2017

नर्मदा योजना तृतीय चरण के पूर्व की स्थिति एवं तृतीय चरण की आवश्यकता

डॉ. दिपाली राहुल शर्मा
सहा. प्राध्यापक, क्रिश्चियन एमिनेंट कॉलेज, इन्दौर.

शोध सस्स

प्रस्तुत शोध पत्र न केवल आम जनता के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ जुटाएगा, अपितु नर्मदा जलप्रदाय से आपूर्ति के अलावा अन्य वैकल्पिक साधनों से आपूर्ति के प्रति जागरुकता भी पैदा करेगा एवं इस दिशा में एक सही योजना प्रस्तुत की जा सकेगी। शहरीय विकास के साथ–साथ राष्ट्रीय विकास में जल की महत्ता को देखते हुए अब हमें 'जल संरक्षण' को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखकर पूरे देश में कारगर जन–जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता है। जल संरक्षण के कुछ परम्परागत उपाय तो बेहद सरल और कारगर हैं, जिन्हें हम फैशन एवं विकास की अंधी दौड़ में भूल चुके है।

परिचय

''नमामि देवी नर्मदे'' हमारे देश भारत में नदियों को देवी एवं माँ की संज्ञा दी जाती है। यह कहना अतिश्योक्ति भी नहीं है, क्योंकि नर्मदा नदी उदारता की दात्री है। माँ नर्मदा करोड़ों लोगों की जीवन दायिनी है। नदियों का संरक्षण भारत की प्राचीन परम्परा का प्रमुख आधार रहा है। भारत में जब तक नीर, नारी और नदी का सम्मान हुआ है तब तक भारत की पहचान विश्व गुरु के रूप में होती रही है। नर्मदा नदी के कारण मध्यप्रदेश की पहचान सारे देश में प्राकृतिक रूप से सम्पन्न राज्यों के रूप में होती है। नर्मदा नदी की कुल लम्बाई 1312 कि.मी. है। यह नदी 1077 कि.मी. तक मध्यप्रदेश के शहडोल, मण्डला, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, खण्डवा तथा खरगोन जिले में होकर बहती है। इसके बाद 74 कि.मी. तक महाराष्ट्र को स्पर्श करती हुई बहती है, जिसमें 34 कि.मी. तक मध्यप्रदेश के साथ और 40 कि.मी. तक गुजरात के साथ महाराष्ट्र की सीमाएँ बनाती है। खंभात की खाड़ी में गिरने से पहले लगभग 161 कि.मी. गुजरात में बहती है। इस प्रकार, इसके प्रवाह पथ में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात तीन राज्य पड़ते हैं।

पानी, बिजली और सड़क की सुविधा प्रत्येक नागरिक की मूलभूत आवश्यकता है, जिसे उपलब्ध कराना शासन–प्रशासन का दायित्व है। उक्त तीनों सुविधाओं में पर्याप्त जल की उपलब्धता सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि 'बिन पानी सब सून'।

शोध विषय का चयनः

इन्दौर नगर मध्यप्रदेश का व्यवसायिक और औद्योगिक शहर है। शहर में 30,000 से 40,000 की जनसंख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। फलस्वरुप अन्य समस्याओं के साथ–साथ जल की अपर्याप्त उपलब्धता भी एक बड़ी समस्या के रूप में प्रकट हुई है। जल से संबंधित मुद्दों को शिक्षा से जोड़ना जरूरी है। आम जनता की सहभागिता तब तक सुनिश्चित नहीं होगी, जब तक वे नदी का महत्व नहीं समझेंगे।

शोध अध्ययन के उद्देश्यः

इस शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार है :–

1. नर्मदा जलप्रदाय परियोजना प्रथम एवं द्वितीय चरण का अध्ययन करना।
2. इन्दौर शहर में जलप्रदाय के अन्य प्रमुख साधनों का अध्ययन करना।
3. इन्दौर शहर में नर्मदा जलप्रदाय परियोजना तृतीय चरण की आवश्यकता का अध्ययन करना।
4. इन्दौर शहर में जलसमस्या का अध्ययन कर इसकी सुदृढ़ता के लिए सुझाव देना।

शोध प्रविधिः

प्रस्तुत शोध प्रबंध प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही प्रकार के समंको एवं सूचनाओं पर आधारित है। नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग तथा नगर पालिक निगम इन्दौर द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं एवं इन्टरनेट के माध्यम से द्वितीयक समंक एकत्र किए है ।

नर्मदा जलप्रदाय परियोजना के संबंध में विशेषज्ञों, अधिकारियों तथा आम जनता में से विशिष्ट व्यक्तियों के प्रश्नावली के माध्यम से इन्दौर शहर में नर्मदा जलप्रदाय परियोजना से जलप्रदाय की कमियों व लाभों का अध्ययन किया जाएगा। उक्त समंक प्राथमिक होंगे।

शोध अध्ययन की सीमाएँ एवं क्षेत्रः
प्रस्तुत शोध प्रबंध की प्रमुख सीमाएँ एवं क्षेत्र इस प्रकार हैः

1. प्रस्तुत शोध का क्षेत्र इन्दौर शहर तक ही सीमित है।
2. नर्मदा जलप्रदाय परियोजना के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण पूरा हो चुका है, तथा इनसे जलप्रदाय शहर में किया जा रहा है। यह शोध अध्ययन नर्मदा तृतीय परियोजना चरण तक ही सीमित है।

नर्मदा योजना प्रथम चरण :–

सर्वप्रथम इन्दौर शहर में जलापूर्ति का काम बिलावली तालाब से प्रारम्भ किया गया था। कालान्तर में सिरपुर तालाब, कृष्णपुरा बांध, गंभीर नदी, यशवंत सागर को भी इस आपूर्ति व्यवस्था से जोड़ा गया। साठ और सत्तर के दशक में शहर में लाखों गैलन पानी की आपूर्ति कुओं व बावड़ियों से हुआ करती थी। जब इन्दौर शहर एक छोटा शहर था तो इसके पेयजल की पूर्ति नजदीक स्थित जलस्त्रोंतो से पूरी कर ली जाती थी किन्तु इन्दौर शहर के विकास के साथ–साथ शहर की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई। इन्दौर शहर में जलसंकट की विकराल समस्या पैर फैलाने लगी तथा पारम्परिक साधनों से जलापूर्ति असंभव होने लगी। इसके पश्चात् किसी अन्य स्थायी जलवितरण व्यवस्था के बारे में विचार किया जाने लगा।

तब इन्दौर शहर की जलसमस्या को दूर करने के लिए शहर से 70 किलोमीटर दूर से नर्मदा नदी को इन्दौर लाने की योजना बनाई गई। मध्यप्रदेश शासन ने वर्ष 1972 में महेश्वर से नर्मदा जल इन्दौर लाने का निर्णय लिया। जिसके फलस्वरूप वर्ष 1978 में नर्मदा जल को जलूद के पास स्थित इन्टेकवेल से वॉचू पाईन्ट के रूप में पहचाने जाने वाली ऊची पहाड़ी पर स्थित पश्च दाब जलाशाय (बी.पी. टेंक) में पानी को पॉच चरणों में उत्थापित (लिफ्ट) करवाया गया और फिर वहॉ से ग्रेविटी फ्लो से इन्दौर शहर को जलापूर्ति की जाती थी।

नर्मदा योजना द्वितीय चरण :–

नर्मदा योजना द्वितीय चरण के पूर्व नर्मदा योजना प्रथम चरण वर्ष 1978 में अनुमानित जनसंख्या 8,50,000 के लिए पूर्ण किया गया था। इन्दौर शहर का आधुनिककरण होता चला गया जिसके फलस्वरूप इन्दौर शहर छोटें शहरों तथा ग्रामीण इलाकों के रहवासियों को अपनी ओर आर्कषित करने लगा। इस कारण इन्दौर शहर की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई। आधुनिकरण के कारण लोगों द्वारा नए–नए उपकरणों का प्रयोग किया जाने लगा जिससे कि पानी की खपत बढ़ने लगी। जिसके कारण इन्दौर शहर नर्मदा योजना प्रथम चरण से जलप्रदाय के बावजूद जलसमस्या की विकराल समस्या से घिर गया।

इस प्रकार जब यह देखा गया कि नर्मदा योजना प्रथम चरण से प्राप्त पानी की मात्रा पर्याप्त नहीं है, तो नर्मदा के द्वितीय चरण का कार्य प्रारम्भ करना तय किया गया। वर्ष 1992 में 11,50,000 की अनुमानित जनसंख्या के लिए इन्दौर शहर को 90 एम. एल. डी. जल की अतिरिक्त मात्रा की आपूर्ति हेतु नर्मदा योजना द्वितीय चरण को पूर्ण किया गया। नर्मदा योजना द्वितीय चरण के पूर्ण होने के साथ ही नर्मदा के दोनों चरणों से कुल 180 एम.एल. डी. जलप्रदाय इन्दौर शहरवासियों के लिए किया जाना सम्भव हुआ।

इन्दौर शहर में जलप्रदाय के लिए उपलब्ध जलाशय

इन्दौर शहर में मुख्य कुल चार जलाशय है। जिनमें यशवंत सागर, बिलावली तालाब, सिरपुर तालाब तथा पीपल्यापाला तालाब शामिल है। इनका विस्तृत विवरण तालिका के माध्यम से निम्न प्रकार है :–

तालिका कमांक –1
इन्दौर शहर के जलाशय

क्रं.	नाम	स्थान	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	जलसंग्रहण क्षमता (क्यूसेक में)	जल का उपयोग
1	यशवंत सागर	नगर निगम सीमा से बाहर	14	500	जल प्रदाय
2	बिलावली तालाब	नगर निगम सीमा से बाहर	2.97	415	जल प्रदाय
3	सिरपुर तालाब	नगर निगम सीमा के अंदर (आंशिक)	2.2	160	जल प्रदाय
4	पीपल्यापाला तालाब	नगर निगम सीमा के अन्दर	0.64	100	जल प्रदाय

स्त्रोत :– नगर पालिक निगम, इन्दौर

इस प्रकार हम यह कह सकते है कि नर्मदा प्रथम व द्वितीय चरण के होते हुए भी नर्मदा योजना तृतीय चरण की आवश्यकता के मुख्य कारण निम्न हैं :–

1) शहर में स्थित परम्परागत जलस्त्रोतों की ओर से विमुख होना।
2) नए परम्परागत जलस्त्रोतों का निर्माण न होना।
3) पिछले कुछ वर्षों से शहर में औसत से कम वर्षा होना, जिसके कारण जलस्तर में कमी आना।
4) बदलती जीवनशैली के कारण जल के उपभोग की मात्रा में बढ़ौत्री होना। जिससे प्राप्त जल व उपभोग जल की मात्रा में बड़ा अन्तर उत्पन्न होना और जलसंकट गहराना।
5) इन्दौर शहर की जनसंख्या में लगातार वृद्धि होना।

नर्मदा परियोजना के तृतीय चरण :–

इंदौर शहर की अनुमानित जनसंख्या सन् 2021 के लिए 36,71,000 है। यदि हम मध्यप्रदेश के दूसरे शहरों से इंदौर शहर के जनसंख्या के आंकड़ों की तुलना करें तो इंदौर शहर के जनसंख्या वृद्धि के ऑकड़े दूसरे शहरों की अपेक्षा तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं।

इस प्रकार प्राप्त पानी की मात्रा और उपभोग के लिए पर्याप्त जल की मात्रा में बहुत बड़ा अन्तर होने कारण शहर पिछलें कुछ वर्षों से जलसंकट की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। इस प्रकार जलसंकट की गंभीर समस्या से निपटने के लिए नर्मदा योजना तृतीय चरण की आवश्यकता को इंदौर शहरवासियों द्वारा महसूस किया जाने लगा।

नर्मदा योजना तृतीय चरण का प्रस्ताव वर्ष 2005 में प्रस्तावित किया गया था, जिसे इंदौर नगरपालिक निगम परिषद् के महापौर द्वारा 8 जनवरी, 2006 को अनुमोदित किया गया था। नर्मदा योजना तृतीय चरण को वर्ष 2024 तक की अनुमानित जनसंख्या 33,00,000 तक को ध्यान में रखते हुए नियोजित किया गया है। यह परियोजना सन् 2009 तक पूर्ण करना परिलक्षित था किन्तु परियोजना इस समय तक पूर्ण नहीं हो पाई है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर नर्मदा से होने वाले जलप्रदाय में 365 एम. एल. डी. की वृद्धि होगी। वर्तमान में नर्मदा योजना तृतीय चरण से 90+90 कुल 180 एम. एल. डी.जल प्राप्त करने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

नर्मदा योजना प्रथम, द्वितीय व तृतीय चरण का तुलनात्मक अध्ययनः–

नर्मदा योजना प्रथम चरण, द्वितीय चरण व तृतीय चरण की तुलना हम निम्न तालिका के माध्यम से कर सकते हैं :–

तालिका क्रं.–2
नर्मदा जलप्रदाय परियोजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण का तुलनात्मक अध्ययन

क्रमांक	आधार	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण
1	जलप्रदाय प्रारंभ वर्ष	1978	1992	आंशिक जलप्रदाय प्रारंभ वर्ष 2010
2	अनुमानित जनसंख्या	8,50,000	11,50,000	33,00,000
3	जलप्रदाय क्षमता	90 एम. एल. डी.	90 एम. एल. डी.	365 एम. एल. डी.
4	टंकियों का निर्माण	07 उच्चस्तरीय आर. सी. सी टंकियों का निर्माण	03 उच्चस्तरीय आर. सी.सी टंकियों का निर्माण	27 उच्चस्तरीय आर. सी. सी टंकियों का निर्माण

स्त्रोत :– नगर पालिक निगम, इन्दौर

नर्मदा के तीनो चरणों को निम्न रेखाचित्र के माध्यम से समझा जा सकता है –

VOLUME - 7 | ISSUE - 2 |NOVEMBER - 2017

रेखाचित्र क्रमांक 03
नर्मदा जलप्रदाय परियोजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण की तुलना

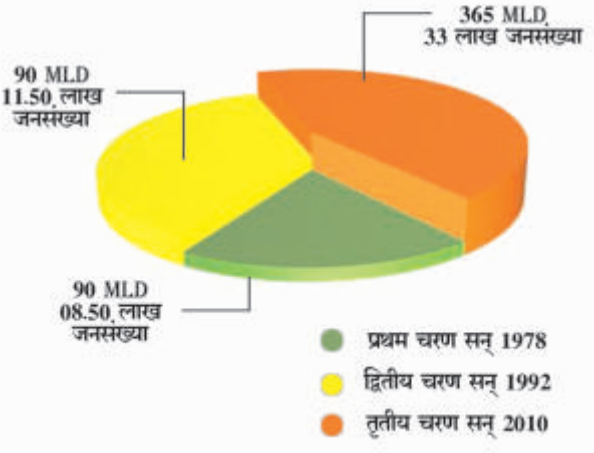

इस प्रकार नर्मदा योजना प्रथम चरण व द्वितीय चरण से नर्मदा योजना तृतीय चरण अधिक बड़ा व प्रभावी है।

इन्दौर शहर की जल समस्या से निपटने हेतु सुझाव निम्न प्रकार हैं:–

1 जल वितरण प्रणाली में सुधार
2 रेनवाटर हार्वेस्टिंग तकनीक का प्रयोग
3. विद्युत बिल में कमी लाने का प्रयास करना
4. घरेलू उपभोक्ता मीटर लगाना
5 उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम
5. अवैध कनेक्शन को वैध करना
6. कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
7. अशुद्ध जल को शुद्ध कर उद्योगों को बेचना
8. टैंकर के जलप्रदाय को नर्मदा पानी से मुक्त रखना
9. जलप्रदाय के समय विद्युत प्रवाह बंद करना
10. शहर में स्थित तथा शहर के निकट स्थित जलस्त्रोतों का प्रयोग करना
11. घर में पानी बचाने के प्रयास करना
12. जिन कुओं बावड़ियों की सफाई नगर पालिक निगम नहीं करा पाते है तो इस कार्या को मिल जुलकर जनसहयोग से पूरा करना चाहिए।
13. जिन कुओं–बावड़ियों में पानी आता ही नहीं उनमें रिचार्ज ट्यूबवेल खुदवाने के लिए प्रयास करना चाहिए।
14. तालाबों को गहरा करने, सफाई कराने और खाली पड़ी पत्थर की खदानों में वर्षा का जल रूकवाने का प्रयास करना चाहिए।
15. शहर या गॉव से निकले हुए नाले पर थोड़ी–थोड़ी दूरी पर बोल्डर डालकर पानी की रफ्तार को कम करने का प्रयास करना चाहिए।
16. हैंडपम्प को चलाते समय बरतन भरते समय बेकार बहने वाले पानी को जमींन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।
17. नालों पर मिट्टी–पत्थर के बांध बनवाने के लिए प्रेरणा देकर एकत्रित पानी को भूमि के अंदर रिसने में मदद करना चाहिए।
18. खेतों के ढालान वाले कोने में पोखर बनवाकर वर्षा का पानी एकत्रित करना चाहिए।
19. वर्षा का जल को भूमिगत कराने का प्रयास करना चाहिए।

उपसंहार :–

'जल ही जीवन है' यह कहना अतिश्योक्ति भी नहीं है क्योंकि जल प्रत्येक मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। प्रत्येक मनुष्य सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक अपनी अधिकांश आवश्यकताओं की पूति पानी के द्वारा ही करता है। बदलती जीवनशैली के कारण अधिक

जल का उपभोग किया जाने लगा है। गॉवों की तुलना में शहरी लोग अधिक पानी का उपभोग करते है। शहरी लोगों की बदलती आधुनिक जीवन शैली तथा बढ़ती हुई जनसंख्या पानी की विकराल समस्या का मुख्य कारण है। देश की प्रमुख समस्याओं में पानी की कमी भी एक विकट समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है। कुछ विद्वानों द्वारा यह कहना कि ''अगला विश्वयुद्व पानी के लिए होगा'' शायद यह कथन गलत नहीं है।

आज हर नदी का पानी उद्योग, खेती और पेयजल के लिए निचोड़ा जा रहा है और उसमें वापस इन तीनों की गंदगी मिलाई जा रही है। इंदौर शहर की खान नदी अब इतिहास बन चुकी है। निश्चय ही जल संरक्षण आज के विश्व–समाज की सर्वोपरि चिन्ता होनी चाहिए, चूंकि उदार प्रकृति हमें निरंतर वायु, जल, प्रकाश आदि का उपहार देकर उपकृत करती रही है, लेकिन स्वार्थी आदमी सब कुछ भूल कर प्रकृति के नैसर्गिक सन्तुलन को बिगाड़ने के प्रयास कर रहा हैं।

सन्दर्भ–ग्रंथ सूची

1. मध्यप्रदेश का भूगोल — डॉ. प्रमिला कुमार
2. सांख्यिकीय विश्लेषण — डॉ. शुक्ल एवं सहाय
3. शोध प्रणाली तथा सांख्यिकीय तकनीकें — डॉ. श्याम गोपाल शर्मा
4. Research Methodology — P. Faravarven
5. Research Methodology — Dr. Kothari
6. सांख्यिकी अनुसंधान — डॉ. पार्श्वनाथ
7. लागत विश्लेषण एवं नियंत्रण — डॉ. एम.एल. अग्रवाल, डॉ. के.एल. गुप्ता
8. नगर पालिक निगम, इन्दौर
– नर्मदा दर्शन
– सामूहिक जल संस्कार अभियान
– बजट 2010–11
– बजट 2011–12
– बजट 2012–13
– बजट 2013–14
9. नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, इन्दौर
– नर्मदा घाटी विकास पत्रिका (सन् 1997 से 2013 तक)
– नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, पत्रिकाएँ
10. लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग की रिपोर्टस व बुलेटीन
11. दैनिक समाचार–पत्र :–
– नईदुनिया
– पत्रिका
– पीपुल्स समाचार
– न्यूज टुडे
– प्रभात किरण
– अग्निबाण
– हिन्दुस्तान टाईम्स
12. इन्टरनेट
www.imcindore.org
www.niua.org
<http://cgwb.gov.in/District_Profile/MP/indore.pdf>
13.सेन्ट्रल पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड–रिपोर्ट 2011
14.वॉटर डिमांड मेनेजमेंट स्ट्रेटजी एण्ड इमप्लीमेनटेशन प्लान फॉर इन्दौर – द एनर्जी रिर्सोस इंस्टीट्यूट–न्यू देहली
15.सेन्ट्रल ग्राउन्डवॉटर बोर्ड – रिपोर्ट 2010
16.एशियन डेवलेपमेंट बैंक – रिपोर्ट 2004
– रिपोर्ट 2008– रिपोर्ट 2010

डॉ. दिपाली राहुल शर्मा
सहा. प्राध्यापक, क्रिश्चियन एमिनेंट कॉलेज, इन्दौर.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com